**डा0 वी0 के0 सारस्वत, सदस्य नीति आयोग, भारत सरकार की अध्यक्षता में आयोजित "Task Force on Conversion/design of methanol/DME based Engine" विषयक बैठक का कार्यवृत्त**

**दिनॉकः 12.07.2018**
**समय : पूर्वाह्न 11.00 बजे।**
**स्थान : योजना भवन, लखनऊ।**

**उपस्थिति पत्रक : संलग्न**

नीति आयोग द्वारा गठित मेथेनाल टास्क फोर्स की एक बैठक डा0 वी0के0 सारस्वत, मा0 सदस्य, नीति आयोग, भारत सरकार की अध्यक्षता में उपरोक्तानुसार निर्धारित तिथि एवं समय के अनुसार वैचारिकी सभाकक्ष संख्या–111, प्रथम तल, योजना भवन, लखनऊ में आयोजित हुई। इस बैठक में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों सहित प्राइवेट सेक्टर के लब्ध प्रतिष्ठित समूहों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य एजेण्डा ठोस नगरीय कचरा, कृषि, औद्यानिकी एवं पशुपालन तथा अन्य जैव अपशिष्टों से मेथेनाल उत्पादन के साथ–साथ **मेथेनाल आधारित इन्टरनल कम्बक्शन इंजन** के विकास प्रकिया की अधतन स्थिति से सम्बन्धित रहा। राज्य समन्वयक/सदस्य संयोजक, उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड द्वारा सभी आगन्तुकों का स्वागत करते हुये बैठक की अध्यक्षता कर रहे मा0 सदस्य, नीति आयोग एवं बैठक में उपस्थित मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन की अनुमति प्राप्त कर बैठक का शुभारम्भ किया गया।

2– सदस्य, नीति आयोग द्वारा मेथेनाल इकोनॉमी के विकास प्रकिया की अद्यतन स्थिति से अवगत कराते हुये मेथेनाल को डोमेस्टिक सेक्टर के साथ–साथ परिवहन एवं व्यावसायिक सेक्टर में पेट्रोलियम ईधन के स्थान पर उपयोग करने से होने वाले वित्तीय एवं पर्यावरर्णीय लाभ तथा उसका उत्तरोत्तर उपयोग बढ़ने से भारतीय अर्थ व्यवस्था की सुदृढ़ता तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किये जा रहे प्रयासों को त्वरित गति से आगे बढ़ाये जाने की बात कही गयी। इसके अतिरिक्त मा0 सदस्य महोदय ने प्रदेश के वाराणसी, गाजीपुर, बलिया, देवरिया तथा गोरखपुर जनपद के 20 हजार परिवारों को मेथेनाल कुक स्टोव उपलब्ध कराये जाने विषयक पायलट प्रोजेक्ट के बारे में भी प्रकाश डालते हुये इसके संचालन हेतु राज्य सरकार से वित्तीय संसाधन के रूप में रू0 15 करोड़ के निवेश की

बात कही। नीति आयोग इस कार्यक्रम के संचालन में आवश्यक समस्त नीतिगत समन्वय एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। राज्य में इस पायलट परियोजना का कियान्वयन उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड द्वारा किया जायेगा। इस हेतु उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड द्वारा उक्त 05 जनपदों का प्राथमिक सर्वेक्षण भी कराया जा चुका है। इस कार्यक्रम में ऐसे परिवारों को सम्मिलित किया जायेगा जिनको **''उज्जवला योजना''** के अन्तर्गत एल0पी0जी0 सिलेण्डर की सुविधा कतिपय कारणों से उपलब्ध नहीं हो सकी है। साथ ही मेथेनाल आधारित इन्टरनल कम्बक्शन इंजन के विकास हेतु राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कारपोरेट सेक्टर द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया।

3– मुख्य सचिव महोदय द्वारा मा0 सदस्य, नीति आयोग का राज्य में दिली स्वागत करते हुये परियोजना के महत्व पर प्रकाश डाला गया। उनके द्वारा प्रदेश में इस दिशा में किये जा रहे नीतिगत निर्णय एवं अग्रणी प्रयासों से अवगत कराया गया। परियोजना के महत्व को देखते हुये मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन द्वारा पायलट परियोजना को तत्काल प्रारम्भ करने हेतु रू0 15 करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराने की सहमति प्रदान की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस परियोजना की निरन्तरता को बनाये रखने हेतु नीति आयोग, भारत सरकार की देख–रेख में कारपोरेट सेक्टर द्वारा मेथेनाल उत्पादन संयंत्र लगाये जाने की स्थिति में राज्य सरकार द्वारा समस्त आवश्यक नीतिगत सुविधायें उपलब्ध करायी जायेंगी। अपने सम्बोधन के अंत में मुख्य सचिव महोदय द्वारा उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड के द्वारा संचालित कार्यो की प्रशंसा करते हुए राष्ट्रीय महत्व के इस कार्यक्रम को लखनऊ में कराये जाने हेतु साधुवाद व्यक्त किया गया।

4– मुख्य सचिव महोदय के सम्बोधन के उपरान्त मा0 सदस्य, नीति आयोग की अनुमति से मेथेनाल आधारित ईधन पर एन0सी0एल0, पुणे, आई0आई0टी0, कानपुर, टी0ए0एफ0ई, एस0आई0ए0एम0, मारूती उद्योग लि0, हीरो मोटर कार्प, स्कूटर इण्डिया लि0, बायोडीजल एसोशियेसन आफ इण्डिया तथा इण्डियन रेलवे द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया। किर्लोस्कर ऑयल इंजन लि0 द्वारा मेथेनाल आधारित जनरेटर बनाये जाने तथा उसकी उपयोगिता पर मेथेनाल समिति, नीति आयोग के प्रतिनिधि श्री एस0जी0 प्रशान्त कुमार द्वारा विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। इस सत्र का समन्वय अधिशाषी निदेशक, आर0डी0एस0ओ0, इण्डियन रेलवे, लखनऊ द्वारा किया गया। तकनीकी सत्र के अंत में मा0 सदस्य, नीति आयोग

ने विभिन्न कम्पनियों द्वारा किये गये प्रस्तुतीकरण में तकनीकी कमियों को उजागर करते हुये इसे शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये गये जिससे भारत सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को सफल बनाने में **''वैल्यू–चेन–मैकेनिज्म''** के अन्तर्गत **उद्यमिता मोड** में समयबद्ध प्रयास किया जा सके।

5– मा0 सदस्य, नीति आयोग से अनुमति प्राप्त कर छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल डवलपमेंट अथारिटी के राज्य परियोजना अधिकारी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में बायोफ्यूल सेक्टर के विकास हेतु किये जा रहे संस्थागत प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही उनके द्वारा मेथेनाल आधारित ईधन के सम्बन्ध में बैठक के दौरान प्राप्त जानकारी/विवरण के आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य में भी इसे क्रियान्वित करने हेतु आगे बढ़ाने के स्थिति में नीति आयोग से सहयोग की अपेक्षा की गयी, जिस पर मा0 सदस्य, नीति आयोग द्वारा अपनी सहमति व्यक्त की गयी।

6– राजस्थान बायो फ्यूल अथारिटी के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा भी राज्य में बायो फ्यूल सेक्टर में किये जा रहे प्रयासों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण किया गया।

7– उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड की ओर से मेथेनाल आधारित ईधन के विकास हेतु राज्य में किये जा रहे नीतिगत प्रयासों तथा नीति आयोग के तकनीकी समन्वय से प्रस्तावित मेथेनाल कुक स्टोव पायलट परियोजना पर संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण किया गया। साथ ही राज्य समन्वयक/सदस्य संयोजक द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी के समक्ष दिसम्बर, 2017 में नीति आयोग द्वारा किये गये प्रस्तुतीकरण के क्रम में मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा की गयी पृच्छा के अनुपालन हेतु मेथेनाल उत्पादन की व्यावसायिक कार्ययोजना की रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने हेतु मा0 सदस्य से अनुरोध किया गया जिसे मा0 सदस्य द्वारा शीघ्र तैयार कर उपलब्ध कराने की सहमति दी गयी।

8– तत्क्रम में मा0 सदस्य, नीति आयोग ने उत्तर प्रदेश राज्य के परिप्रेक्ष्य में मेथेनाल उत्पादन की दो पायलट परियोजनाओं पर तत्काल कार्य प्रारम्भ करने के निर्देश दिये। इसके अन्तर्गत पश्चिमी उत्तर

प्रदेश में थर्मेक्स इण्डिया लि0, पुणे, आई0आई0टी0, कानपुर, उ0प्र0 सहकारी चीनी मिल संघ तथा उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड संयुक्त रूप से प्रयास करेगा तथा संघ की तिलहर

इकाई, जनपद शाहजहॉपुर में कृषि अपशिष्टों खासकर गन्ना एवं चीनी मिल के अपशिष्टों पर आधारित मेथेनाल उत्पादन की पायलट परियोजना स्थापित की जायेगी जबकि आई0आई0टी0, बी0एच0यू0, थर्मेक्स इण्डिया लि0 तथा उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड को संयुक्त रूप से आई0आई0टी0, बी0एच0यू0 के सुविधानुसार चयनित स्थान पर ठोस नगरीय कचरे पर आधारित मेथेनाल उत्पादन की पायलट परियोजना पर कार्य करने के निर्देश दिये।

तत्पश्चात प्रो0 अविनाश अग्रवाल, मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमण्ट, कानपुर द्वारा सभी आगन्तुकों का साधुवाद व्यक्त करते हुये अध्यक्ष की अनुमति से बैठक की समाप्ति की घोषणा की गयी।

**संलग्नक : यथोक्त।**

**(डा0 वी0के0 सारस्वत)**
सदस्य, नीति आयोग।

**कार्यालय सदस्य (एस0 एण्ड टी) नीति आयोग,**
**संसद मार्ग, नई दिल्ली–1**

पत्रांक : /2018
नई दिल्ली : दिनॉक: ,2018

उक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0 सरकार।
2– मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन।
3– अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड,
4– अपर मुख्य सचिव, नियोजन विभाग, उ0प्र0 शासन।
5– महानिदेशक, आर0डी0एस0ओ0, लखनऊ।
6– अध्यक्ष, बायोडीजल एसोशियेसन आफ इण्डिया।
7– मुख्य कार्यपालक अधिकारी, छत्तीसगढ़ बायो फ्यूल डवलपमेंट अथारिटी, रायपुर।
8– मुख्य कार्यपालक अधिकारी, राजस्थान बायो फ्यूल डवलीपमेंट अथारिटी, जयपुर।
9– समस्त प्रतिभागी।
10– राज्य समन्वयक/सदस्य संयोजक, उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड, लखनऊ।
11– गार्ड फाइल।

(डा0 अशोक ए0 सोनकुसरे)
संयुक्त सलाहकार (एस0 एण्ड टी),
नीति आयोग, नई दिल्ली।